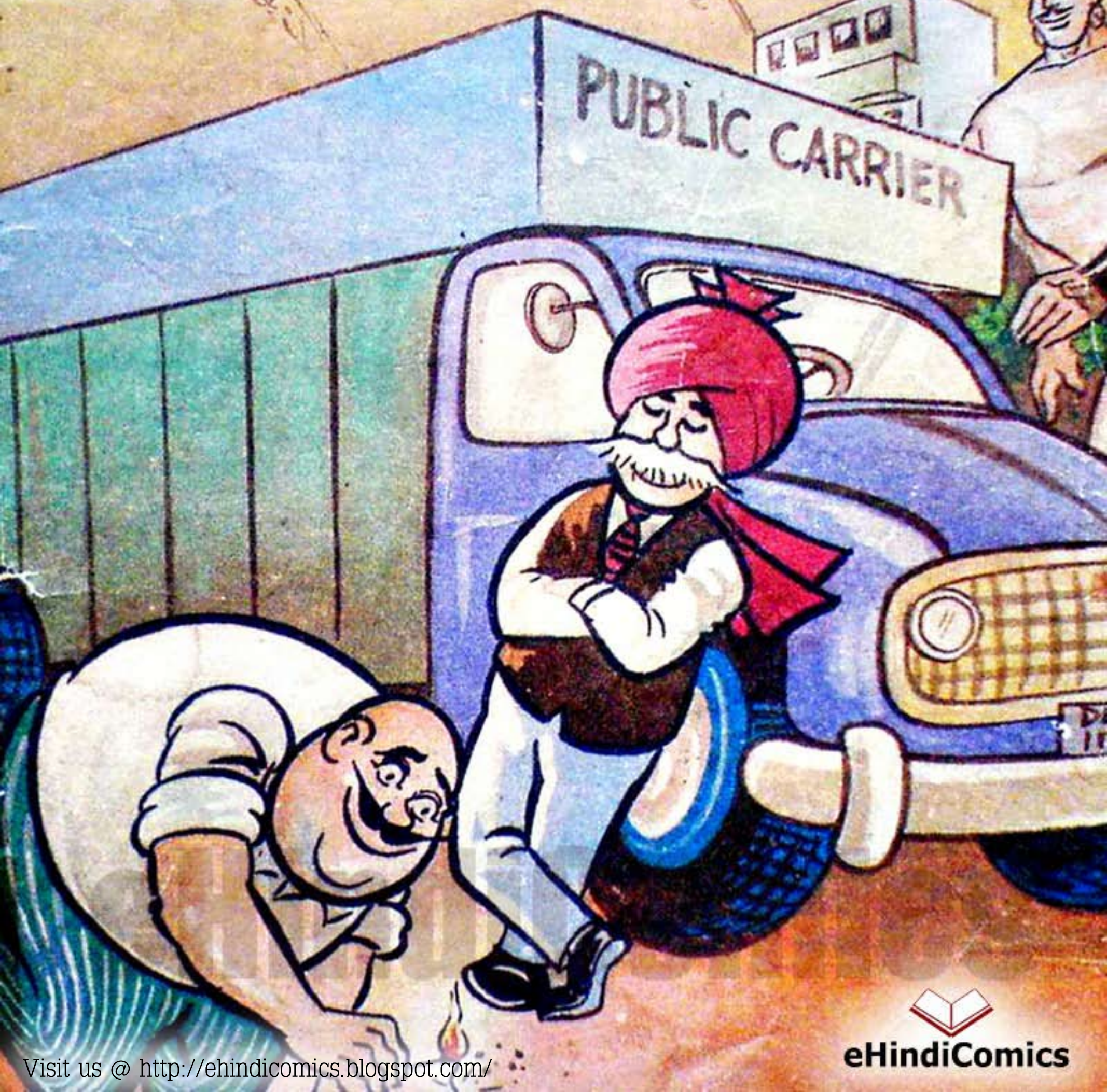
डायमण्ड कॉमिक्स
D-187 6.00

पा०।

चाचा चौधरी का धमाका

HindiComics



eHindiComics
Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

चाचा चौधरी का धमाका

चाचाजी, ट्रक के टायर बहुत घिस चुके हैं. हवा आपने उबल भरवा ली है. कहीं टायर बर्स्ट न हो जाएं.

अच्छा भाई, अब मैं चलूं.

कोई बात नहीं प्यारे! जोखम मोल लेना अपनी आदत बन गई है.

आज दीवाली है. भगवान ने साड़ी लाने को कहा था, साबू के लिए मिठाई लेनी होगी और दीपू के लिए पटाखे.

और चाचा चौधरी का ट्रक हवा से बातें करने लगा.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

रोको ! रोको !

अरे, ये लोग, क्या चाहते हैं ?

चाचाजी, फटकू ने हमें लूट लिया.

कैसे ?

वह हमें पटाखों का मुकाबला करने के लिए उकसाता था. जिसका जोर का धमाका हो वह एक हजार रुपया जीत जाय. एक एक करके हम सब हजारों रुपए उसके आगे हार गए. अब हम मिठाई और सामान किन पैसों से ले कर घर जायेंगे ?

क्यों रे फटकू, फिर तूने लोगों को ठगना शुरू कर दिया. चल लौटा इनके पैसे.

चाचाजी, शर्त से मैंने पैसे जीते हैं

अभी देखना मेरे एटम बम का धमाका.

भड़ाम !

इससे जोर का धमाका करके दिखा दो तो मैं इनके पैसे लौटा दूंगा.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

देखो, झटकू! मुझे चैलेंज मत करो..

अरे जा जा, मुझसे बड़ा एटम बम आज तक ...

धड़ड़ड़..ड़..ड़म!!!

अरे, झटकू कहां गया?

मैं यहां हूं, मुझे निकालो. मैं सबके पैसे लौटा दूंगा.

झटकू को बाहर निकाला जाता है

ये लो रुपए. सब बांट लो. इतने जोर का धमाका मेरे दादा परदादा ने भी नहीं सुना होगा.

वाह चाचाजी, कमाल कर दिया! ले किन इतना बड़ा पटाखा आप लाए कहां से?

बहु पटाखा नहीं था...

मेरे ट्रक का टायर बर्स्ट हुआ था.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

भैंस की दवाई

चाचाजी : आपके हाथ में क्या है ?

साबू ! ये कुछ हाजमे की गोलियां हैं जो मैंने जड़ी बूटियों से बनाई हैं.

साबू ! मेरी पतंग एक ऊंचे खम्बे पर अटक गई हैं. जरा छुड़ा देना.

चाचाजी ! मैं दीपू की पतंग छुड़ाकर आता हूं.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

अरे, लुगड़ीदास ! कहो, कैसे हो ?

चाचाजी, क्रुध मत पूछिए. हालत बहुत पतली हैं.

घप्पू की शादी में दावत खाने गया था. वहां पर इतना खा लिया कि बदहजमी हो गई और पेट में बिगुल बजने लगे.

लो, हाजमे की गोली खा लो और आगे से मुफ़्त का माल सोचसमझ कर खाया करो.

अरे वाह! गोली खाते ही मेरा पेट एक दम ठीक हो गया

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

मेरी एक और समस्या है. मेरी भैंस को मलेरिया हो गया है. कोई दवाई दीजिए.

बहुत कड़वी होती है पर तुम्हारी भैंस ठीक हो जाएगी.

लेकिन मेरी भैंस बड़ी नखरे करती है. वह यह कड़वा गोला खाएगी कैसे?

आसान तरीका है. दवाई के गोले को पहले खोखले बांस में रखो. फिर बांस का एक सिरा भैंस के मुंह में रखो और दूसरे सिरे से फूंक मारो. गोला भैंस के पेट में.

वाह! मैं यह बांस ले जाता हूं. भैंस को दवाई खिलाने के बाद मैं इसे लौटा दूंगा.

काफी देर हो गई. लुगड़ीदास बांस लौटाने नहीं आया. जाकर देखूं.

लुगड़ीदास! तुम्हारी यह हालत?

मैंने कुनैन का गोला बांस में रखकर उसका एक सिरा भैंस के मुंह में रखा था.

-- बांस के दूसरे सिरे से मैं फूंक मारना ही चाहता था कि भैंस ने पहले फूंक मार दी और गोला मेरे पेट में चला गया

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

अफ्रीका की यात्रा

अफ्रीका के कुछ प्रतिष्ठित मेला चाचा चौधरी के पास आए.

चाचाजी, हम आपको अफ्रीका आने का निमंत्रण देने आए हैं.

वहां घूमने की मेरी भी बड़ी इच्छा थी. हम वहां जरूर आएंगे.

प्लीज़िद, आपके लिए हवाई जहाज के टिकिट हैं.

धन्यवाद! हम अपने छोटे से स्टीमर में ही सफर करेंगे.

मैं आपको चेतावनी देना चाहता हूं कि समुद्री यात्रा खतरों से खाली नहीं.

खतरों से खेलना तो हमारी आदत बन गई है.

आओ भाई टिंकू मास्टर और साबू! तुम्हें अफ्रीका घुमा लाएं.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

टिंगू मास्टर और चाचा को लिए स्टीमर चल देता है.

चाचाजी, साबू नहीं दिखाई दे रहा !

पी-पे-पीपे आ रहा हूं.

तभी.

ओह! यह क्या चाचाजी?

टिंगू मास्टर, लगता है समुद्र में तूफान आ गया है.

बापरे! चाचाजी, लगता है समुद्र में ही हम दफन हो जाएंगे.

धीरज रखो! घबराहट में मुसीबत दोगुनी हो जाती है.

लो, तूफान खत्म हो गया.

पर चाचाजी, साबू कहां चला गया?

लगता है टिंगू मास्टर, तूफान ने साबू को कहीं दूर पटक दिया है. घबराओ मत. वह बड़ी हिम्मतवाला आदमी है.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

लो खाई से निकले तो कुंए में गिरे. व्हेल मछली हमें निगलने को आ रही है.

टिंकू मास्टर, तू जरा मेरी गाड़ी संभाल और मेरा लट्ठ मुझे देदे.

यहां तलवार और बंदूक से कुछ नहीं हो सकता, लट्ठ क्या करेगा ?

तू देखता रह. मैं अभी आया.

अब वह मुंह बंद नहीं कर सकती और न ही यह हमें निगल सकती है.

वाह! क्या तरकीब निकाली है.

लो, साबू भी आ गया.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

वह देखो, टिंगू मास्टर! मुझे जमीन दिखाई दी. लगता है हम अफ्रीका पहुंच गए.

चाचाजी, हमारे स्वागत के लिए कोई नहीं आया?

धनाऽऽ!!

आंऽऽ

लो, हो गया स्वागत! अरे यहां ऐशो-आराम की उम्मीद मत रखो. यहां पग-पग पर जोखम हैं.

जंगल इतने घने हैं कि दिखाई ही नहीं देता कि पांव कहां पड़ रहा है.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

अरे साबू, अपना हाथ हटाले. मेरे साथ मसखरी न कर.

ह???
ग-ग-गोरिल्ला!
बचाओ!

साबू जल्दी से आ कर गोरिल्ले को पकड़ लेता है.

घबरा कर गोरिल्ला टीम को छोड़ देता है.

धम्म

चल हट!

आओ, आगे बढ़ें!

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

थोड़ी ही दूर आगे जाने पर ...

औह!

चाचाजी! साबू को एक बड़े अजगर ने जकड़ लिया!

तुम आगे मत जाना, नहीं तो अजगर तुम्हें साबुत ही निगल जाएगा. जल्दी से जेब से माचिस निकालो!

चाचा चौधरी आग जलाता है.

आग की गरमी से यह अपनी पकड़ ढीली कर रहा है.

साबू को छोड़ कर अजगर भाग खड़ा हुआ.

याद रखो, आग से जंगल के सारे जीव जंतु डरते हैं.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

दिल का मामला

मिस नातिका ! मैं तुम से शादी करना चाहता हूं.

नहीं, मिस नातिका मुझ से शादी करेगी.

ओह! मिस्टर टोंक और झोंक मैं तुम दोनों में से एक के साथ ही शादी कर सकती हूं.

कल तुम दोनों में से जो पहले मेरे घर पहुंचेगा, मैं उसी के साथ शादी करूंगी

दूसरे दिन--

अभी तो झोंक सो कर भी नहीं उठा होगा. मैं पहले ही नातिका के घर पहुंच जाता हूं.

ओह! दिन इतना चढ़ गया और मैं अभी सो ही रहा हूं?

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

मुझे जल्दी करना चाहिए

झोंक! मैं पैदल और तुम कार में? यह बेइंसाफी है.

टोंक! जंग और मुहब्बत में सब जायज़ है.

ओह! नहीं!

अरे टोंक! क्यों उदास बैठा है?

मेरे साथ बेइंसाफी हुई है.

मिस नातिका ने कहा था कि मेरे और झोंक दोनों में से जो उसके घर पहले पहुंचेगा वह उसी के साथ शादी करेगी. मैं पैदल हूं और झोंक अपनी कार दौड़ा रहा है

फिक्र न करो.

साबू! टोंक झोंक से पहले नातिका के घर पहुंचना चाहिए.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

सराट!

धपप!

नहीं! यह बेइंसाफी है!

जंग और मुहब्बत में सब जायज़ है.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

कड़ाकेदार संगीत

कहो, चाचाजी! क्या सुनोगे? ठुमरी या दादरा?

साब! ठुमरी सुनाओ.

आऽऽ?

कड़ाक!

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

अरे ओ ! बैंजू बावरे की औलाद ! बंद कर यह गाना. तेरी कर्कश आवाज ने खिड़की के शीशे तोड़ दिए.

चाची ?

साब ! यहां हमारे संगीत का कद्रदान कहां ? आओ, कहीं और चलें.

काफी घूम लिए लेकिन अभी तक कोई संगीत का प्रशंसक नहीं मिला.

दूर कोई आ रहा है.

हमारे राजा बासूस को संगीत का बहुत शौक है. तुम राजमहल चलो और राजा को कुछ सुनाओ.

लेकिन तुम्हारे महल की खिड़कियां तोड़ दी तो नहीं ?

नहीं ! पूरा राजमहल पत्थर का बना है.

तो फिर चलो.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

राजा बासूख

महाराज! लीजिए पानी का गिलास.

लाओ, मंत्री!

आऽऽ ♪

कड़ाक! ♪

नायक: तुम्हारी कर्कश आवाज ने मेरा गिलास तो तोड़ दिया. इस गुस्ताखी के लिए क्यों न तुम्हें फांसी पर लटका दिया जाए?

ठहरिए महाराज! आप का गिलास टूटने से जो पानी गिरा उसे बिल्ली पी रही है.

* राजा जौहरी का दिमाग कम्प्यूटर से भी तेज चलता है.

और देखिए, वह पानी पीते ही बिल्ली ने दम तोड़ दिया. अगर आप यह पानी पीते, तो आपका भी यही हाल होता. पानी में जहर मिला था.

मक्कार मंत्री, मुझे मारकर खुद राज्य हड़पना चाहता था? इसे ले जाओ और गोली से उड़ा दो.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

साज़िश

प्रा०।

एक दिन--

चाचू! हम शहर से काफी दूर निकल आए हैं.

हां भाचाजी! लम्बी सैर तंदरुस्ती के लिए अच्छी है.

बचाओ! बचाओ!

यह आवाज?

बचाओ!

चाचाजी: यह आवाज उस मकान से आ रही है.

बचाओ!

लगता है मेरे भतीजे मुसीबत में है. चलो आओ!

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

अंदर तो कोई नजर नहीं आ रहा.

बचाओ!

आवाज इधर से आ रही है!

बचाओ!!!

टेप रिकार्ड प्लेअर?

किसी ने हमारे साथ चाल चली है.

बाहर निकलने का दरवाजा बंद हो गया. हम अंदर घिर गए!

हा: हा:: चाचा चौधरी! आज तुम, साबू और कुत्ता राकेट, तीनों मेरे जाल में फंस गए..

.. मैं इस मकान में आग लगाने जा रहा हूं और तुम सब इस इमारत के साथ जलकर राख का ढेर हो जाओगे!

यह डाक्टर गोबरसिंह की आवाज है.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

हो ! हो ! हो ! जॉघरी, देखा ? आखिर जीत मेरी हुई !

ओह ! पता चला गया है. लगते अंदर आ रही है.

अगर मैं इस दरवाजे को तोड़ने में कामयाब हुआ तो बचने की उम्मीद है.

कड़ड़ड़ड़

और साबू ने अपनी भरपूर ताकत से जो दरवाजे को धक्का दिया तो--

ओह !

बचाओ !

RAJ'S FEATURES NEW DELHI-2

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

टिंगू मास्टर की पतंग

क्यों भई, टिंगू मास्टर! आज उदास क्यों बैठा है?

मैं एक बढ़िया पतंग लाया, कल्लू पहलवान ने मुझे स्पेशल मांझा दिया पर किस काम का? पतंग उड़ाने के लिए हवा ही नहीं है.

हवा भी आ जाती है. इसमें उदास होने की क्या बात है? साबू ज़रा दो-चार फूंकें मारना.

फू! फू!

वाह! ज़रा एक और ज़ोर का झटका मारो ताकि पतंग और ऊंची चली जाए.

फू!

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

ओह!

अरे माधू! तुमने यह क्या किया? इतने जोर से फूंक मार दी कि पतंग के साथ पतंगबाज भी उड़ गया.

जाओ, उसे दंड कर लाओ!

अरे! जब तक मैं इस डोर को नहीं छोड़ता, उड़ता ही चला जाऊंगा.

एक ओर,

कमबख्तो! तुम्हारी लापरवाही से हमले वाले के लिए जो आदमी तैयार किया था, भाग गया!

तभी,

यह लो! अब देखता-है बचने के लिए हमारा कुत्ता तेरा क्या हाल करता है.

धड़ाम!

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

छोड़ दो. मैं बताता हूँ क्या करना.

देवता के लिये बलिदान देना गर्व की बात है. तुम्हें खुश होना चाहिये.

अरे मोटे तू ही अपनी बलि क्यों नहीं दे देता

अरररर! यह क्या ?

पीछे हट जाओ!

चलो टिंकू मास्टर, चाचाजी तुम्हारा इंतजार कर रहे हैं.

लो चाचाजी, आपका आदमी हाजिर है.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

साबू का चांटा

घपट्ट ...ओ साबू लो संभालो इसे.

फटाक!

ओह! साबू मेरी गर्दन में बल पड़ गया

घपट्ट! मेरी तरफ देखो!

मैं सीधा नहीं देख सकता. मेरी गर्दन टेढ़ी हो गई है. गर्दन सीधी नहीं हो रही.

घपट्ट: अगर साबू तुझे सीधे हाथ का एक चांटा मार दे तो तेरी गर्दन पहले जैसी सीधी हो सकती है.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

आओ, साब के पास चलें.

चाचा-चौधरी! एक मिनट रुकना.

साब! यह रुनद् क्यों भागा आ रहा है?

चाचा-चौधरी! साब से कहो कि घपद् को सीधे हाथ का एक चांटा मार दें.

क्यों? घपद् ने क्या कसूर किया है?

कुछ नहीं.

जब उसका कोई कसूर नहीं है तो फिर साब् उसे चांटा क्यों मारे? साब् चलो, चलें.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

ऐसे काम नहीं बनेगा. घपट्! यह ले पत्थर. पूरे जोर से साध् के दे मार. जब उसे गुस्सा आएगा, तो वह तुझे घांटा जरूर रसीद करेगा.

यह गया, पत्थर!

टन न न..

चूहे! तुमने मुझे पत्थर मारा? ले अब मेरे घांटे का स्वाद चख!

इसी का मुझे इंतजार है.

नड्डादड्ड!

ओह! यह तो और भी बुरा हुआ. मेरी गर्दन में और भी बल पड़ गए.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

फिल्मी होर्डिंग

चाचाजी, ज़रा साबू को इधर भेजिए.

क्यों भाई फनकू, क्या बात है?

उस बड़ी दीवार पर वह होर्डिंग लगाना है. मेरा हाथ ऊपर नहीं पहुंच रहा. साबू से कहो कि दो-चार कील गाड़ दे.

फिल्म

यह काम साबू से न करवाओ तो अच्छा है. फायर ब्रिगेड वालों से लंबी सीढ़ी लाओ और खुद कीलें ठोक लो.

वह इतना भी काम नहीं कर सकता तो इतना लंबा-चौड़ा शरीर किस काम का?

फनकू! इधर ला हथौड़ा. दो-चार नहीं जितनी कहे, मैं कीलें ठोक देता हूं.

फि

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

तड़ाक!

हैं??? उसका हाथ पड़ते ही दीवार टूट गई!

मैंने तो तुम्हें कहा था कि यह काम साबू से मत करवाओ.

इसमें तुम्हारा कोई दोष नहीं. मुझे तो पता था कि जब तुम कील ठोकने के लिए हथौड़ा मारोगे तो दीवार ढह जाएगी.

चाचाजी, झनक की दीवार टूटने का मुझे बहुत अफसोस है.

कुछ दूर टोपन व मोटन केले खा रहे हैं.

यार मोटन, अगर हम ये केले के छिलके सड़क पर रख दें तो जिसका पैर पड़ेगा, धड़ाम से गिरेगा.

वाह! मजा आ जाएगा.

लो. मैंने छिलके सड़क पर रख दिए. अब एक तरफ खड़े होकर तमाशा देखते हैं.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

अरे, बूढ़ा तो इस तरफ से निकल गया!

वह चाचा चौधरी है. उसे चकमा देना आसान नहीं. लेकिन उसके पीछे ही साबू बुद्धू आता होगा.

वाह! साबू का पैर केले के छिलकों पर पड़ रहा है. अब तमाशा देखना.

साबू फिसलता है.

अर्ररर्र!!!

मोटन, बचो! वह हमारे ऊपर आ रहा है.

बचाओ! बचाओ!

पहले यह बताओ, वे केले के छिलके

हमने ही, हमें माफ कर दो

जाओ, फिर कभी ऐसी शैतानी न करना. याद रखो जो दूसरों के लिए गड्ढा खोदता है, वह खुद उसमें गिरता है.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

चपलू का पेट

अरे चपलू ! तुम इधर ?

चाचाजी। मेरा पेट बहुत बढ़ गया है. इसे कम करने का कोई तरीका बताइए.

पेट में जब गैस बहुत बनती है तो पेट फूल जाता है.

साहू ! --- अपने पैर से चपलू का पेट थोड़ा कम कर दो.

तैयार हो ?

हां !

ओह !

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

साधु : तुमने अपना पैर कुछ ज्यादा दबा दिया.

पेट पिचक कर पापड़ बन गया.

फिक्र न करो, चपलू ! जब दोबारा गैस भर जाएगी तो पेट फिर से अपने आकार में आ जाएगा.

चलो, अब पेट में गैस भरने का कोई यत्न किया जाए.

चाचाजी ! बचाओ!

अरे ! यह तो चपलू हैं.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

घपलू ! यह कैसे हुआ?

चाचाजी : मैंने सोचा जब पेट में गैस ही भरनी है तो क्यों न गुब्बारे वाले से भरवा ली जाए.

साबू ! एक कांटे से घपलू के पेट में छेद कर दो. जब गैस निकलनी शुरू होगी तो घपलू नीचे आने लगेगा.

ठीक है.

फिस-स

फिस-स

टैप से वह छेद बंद कर देना चाहिए. कहीं सारी गैस न निकल जाए.

धन्यवाद ! अब मेरा पेट बिलकुल ठीक आकार में है.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

विश्व की खूबसूरत महिला

चाचा औंधरी आपका ही नाम है ?

कहिए, मैं आपकी क्या सेवा कर सकता हूं

मैं विश्व की खूबसूरत महिलाओं की मल्लिका हूं ..

मैं तुम्हारे साथ शादी करने के लिए पेरिस से चलकर आई हूं.

मर गए !

ऐ खूबसूरत महिलाओं की मल्लिका, तुम मेरे साथ ही शादी करना क्यों चाहती हो ?

क्योंकि हमारे जो बच्चे होंगे, उनमें तुम्हारे जैसे कम्प्यूटर से तेज चलने वाले दिमाग और मेरे जैसी अद्वितीय खूबसूरती होगी.

अगर उलटा हो गया, उन बच्चों में मेरे जैसी शक्ल और तुम्हारे जैसी अक्ल आ गई तो?

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

यह मोटी औरत कहा से आ टपकी ?

यह मेरी बीवी है और इसके हाथ में एक बहुत ही खतरनाक हथियार है.

भागो !

बचाओ !

भगवान ! तुम्हें इतने जोर से बोलना नहीं मारना चाहिए था

अरररर ! यह कौन है ?

यह बेवकूफ मुझसे शादी करना चाहता है. मुझे इससे बचाओ !

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

लगता है आज शादियों का तगड़ा महूर्त निकला है.

क्यों भाई? तुम इसके साथ जबरदस्ती शादी क्यों करना चाहते हो?

क्योंकि मैं बेवकूफों का बादशाह चुना गया हूं और बादशाह मल्लिका के साथ शादी नहीं करेगा तो और किसके साथ करेगा?

बादशाह सलामत! जरा ठहरिए. मैं एक दूसरी मल्लिका को लाता हूं. आज आपकी शादी रचा कर ही चैन से बैठेंगे.

लीजिए, दूसरी मल्लिका आ गई. आप शादी करेंगे?

जरूर करूंगा! लेकिन यह किसकी मल्लिका है?

दुनिया के तमाम बदसूरतों की!

बचाओ!

चलो एक शादी

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

चाचा चौधरी का निशाना

चाचा, आज मैं देखना चाहता हूं कि आपका निशाना कितना सही है?

आप अपनी आंखों पर पट्टी बांधिए. मैं इन लकड़ी के खम्बों में से एक को इस छड़ी से खटखटाऊंगा

आप आवाज सुनकर निशाना लगाइए.

ठीक है, साबू! मैं कोशिश करूंगा.

फटाक!

वाह, चाचाजी! निशाना बिलकुल अचूक लगा.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

साबू: अब तुम किसी दूसरे खम्बे को खटखटाओ.

हा! हा! बस, वह आखरी निशाना था

कौन?

मैं, गोगो! तुम्हें अपने पैरों तले कुचलने आ रहा हूं.

मोटे! कदद्! तेरी यह हिम्मत!

साबू: रुको. गोगो से मैं खुद ही निपट लूंगा.

चौधरी! मेरा पैर तुम्हें कुचलने आ रहे हैं!

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

गोगो की आवाज़ ऊपर से आई थी !

खप प प

फिस्स

अरे ! यह तो डाकू गोबरसिंह है !

भागो !

डाकू गोबरसिंह इस हवा भरे रबड़ के पुतले के अंदर से इस लाऊडस्पीकर से बोलता था जिससे लगता था कि गोगो बोल रहा है.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

साबू की परेशानी

जहां भी गया, गालियां सुनने को मिलीं.

अच्छा? यह सब कैसे हुआ साबू?

मैंने जिस-जिस का भला किया और जिस जिस को मुसीबत से छुड़ाया, उसीने मुझे धक्के दे कर भगा दिया.

आज सवेरे ही जब मैं बाजार में घूम रहा था कि मेरे कानों में किसी के रोने की आवाज पड़ी.

अरे! यह तो किसी महिला के रोने की आवाज लगती है.

आ-ऽ आ-- आ--ऽऽ-- आ--ऽ

ने की आवाज यहीं से आ रही है. गता है पति-पत्नि में झगड़ा हो या होगा. पति उसे मार स होगा. मुझे महिला बचाना चाहिए.

क्यों भाई! एक अबला को क्यों मार रहा है? जरा बाहर निकल और किसी मर्द से दो दो हाथ करके देख. फिर देखूं तेरी हिम्मत!

आ--आ

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

थोड़ी देर बाद एक व्यक्ति निकल कर आया.

अबे लंबू ! भाग जा यहाँ से, नहीं तो मार-मार कर भुर्ता बना दूंगा.

जिसे तू रोना समझ रहा है, वह मेरी पत्नि का गाना है जो रोज सुबह संगीत का अभ्यास करती है.

अब बताओ चाचाजी, मेरा क्या कसूर था? उसके रोने और गाने में कोई फर्क ही नहीं था.

हा-हा- साबू! यह तो बड़ी मजेदार घटना है.

उसके बाद फिर मैं आगे चल दिया. तभी मैंने देखा...

बचाओ, बचाओ!

मार दो, इसे!

जान से खत्म कर दो!

अरे बुजदिलो! अकेले को चार मार रहे हो? मैं तुम्हें अभी मजा चखाता हूँ.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

अरे बापरे ! भागो, यह पहलवान बीच में कहां आ टपका.

सकते. मैं तुम्हें यहीं पसल दूंगा.

अबे ओ लम्बू के बच्चे ! तूने सारा गुड़ गोबर कर दिया. यह असली घटना नहीं फिल्मी शूटिंग है. हमारे हीरो ने आ कर उसे बचाना था. अब दफा हो जा यहां से.

फिल्म की शूटिंग ? माफ करना डायरेक्टर साब, गलती हो गई.

लो. मैं आपके एक्टरों को छोड़ देता हूं.

इस तरह वहां से भी धक्के खा कर भागना पड़ा.

हा-हा-! कोई बात नहीं साबू. जिंदगी में कभी कभी गलत-फहमी हो जाती है.

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

चाचा चौधरी की गुलेल

अरे, आज सबेरे ही सवेरे गुलेल लेकर कहां चले?

खेत में चिड़ियों को उड़ाने जा रहा हूं.

हैं.. शा.. चिड़ियो मेरे खेत से...

..उड़ जाओ!

पास ही शहर के एक बैंक में डकैती.

जल्दी करो. नोटों के बक्स को कार में रखो!

और मिनटों में ही डाकू फरार हो गए.

रफ्तार और तेज करो!

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

पुलिस दस्ते को वायरलैस से सूचना मिलती है.

उस कार का पीछा करो!

और तेज!... डाकू भागने न पाएं!

धाँ.. धाँ

पुलिस की जीप हमारा पीछा कर रही है.

कोई परवाह नहीं, मैं अभी अपनी निशानेबाजी का चमत्कार दिखाता हूं.

धाँ

गोली जीप के टायर में लगती है और वह फट जाता है.

जीप को छोड़ो और पैदल ही डाकुओं का पीछा करो!

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/

हा-हा-! अब वे हमें क्या पकड़ेंगे?

अब तो हम शहर से दूर खेतों की तरफ आ गए हैं.

तभी चाचा चौधरी अपनी गुलेल घुमाता है. पत्थर सनसनाता हुआ झपटता है.

हश्श.. चिड़ियो उड़ जाओ!

दनदनाता पत्थर कार ड्राईवर की खोपड़ी पर लगता है. वह संतुलन खो बैठता है.

और कार वृक्ष से जा टकराती है.

ओह! मारे गए!

ठाक

अरे भाई, भागो!

भागने की हिम्मत नहीं.

मेरी तो टांग ही टूट गई!

पकड़ लो इन सब डाकुओं को!

चाचाजी, ये डाकू दस लाख रुपया बैंक से उड़ा कर भाग रहे थे. आपकी गुलेल न होती तो हम इन्हें पकड़ नहीं सकते थे.

अरे भई, मैं तो अपने खेत में चिड़ियां उड़ा रहा था. क्या पता था कि गुलेल यह कमाल दिखायेगी.

© PRAN'S FEATURES, NEW DELHI-2

Visit us @ http://ehindicomics.blogspot.com/